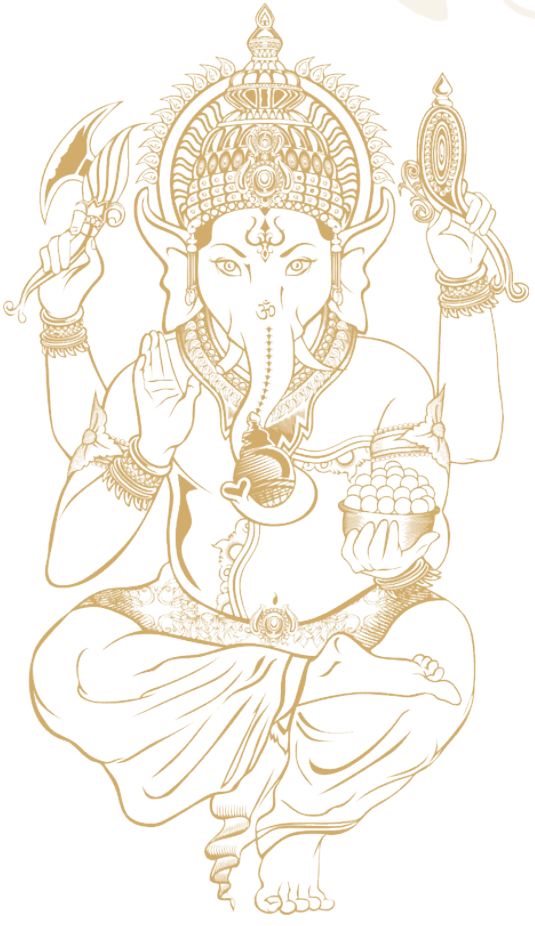

# Anshu pandey

# Sobhit

Model: Horoscope-Matching

Order No: 121734301

Model: Horoscope-Matching

Order No: 121734301 Date: 28/03/2026

| | | |
|---|---|---|
| पुल्लिंग | लिंग | स्त्रीलिंग |
| 10/07/1996 | जन्म तिथि | 31-01/11/1999 |
| बुधवार | दिन | रवि-सोमवार |
| घंटे 23:40:00 | जन्म समय | 05:15:00 घंटे |
| घटी 46:02:13 | जन्म समय(घटी) | 57:39:09 घटी |
| India | देश | India |
| Gonda | स्थान | Gonda |
| 27:08:00 उत्तर | अक्षांश | 27:08:00 उत्तर |
| 81:58:00 पूर्व | रेखांश | 81:58:00 पूर्व |
| 82:30:00 पूर्व | मध्य रेखांश | 82:30:00 पूर्व |
| घंटे -00:02:08 | स्थानिक संस्कार | -00:02:08 घंटे |
| घंटे 00:00:00 | ग्रीष्म संस्कार | 00:00:00 घंटे |
| 05:15:06 | सूर्योदय | 06:11:20 |
| 18:59:48 | सूर्यास्त | 17:20:05 |
| 23:48:35 | चित्रपक्षीय अयनांश | 23:51:02 |

| | | |
|---|---|---|
| मीन | लग्न | तुला |
| गुरु | लग्न लग्नाधिपति | शुक्र |
| वृष | राशि | कर्क |
| शुक्र | राशि-स्वामी | चन्द्र |
| कृतिका | नक्षत्र | आश्लेषा |
| सूर्य | नक्षत्र स्वामी | बुध |
| 2 | चरण | 2 |
| शूल | योग | शुभ |
| बव | करण | तैतिल |
| इ-ईश्वर | जन्म नामाक्षर | डू-डूंगरी |
| कर्क | सूर्य राशि(पाश्चात्य) | वृश्चिक |
| वैश्य | वर्ण | विप्र |
| चतुष्पाद | वश्य | जलचर |
| मेष | योनि | मार्जार |
| राक्षस | गण | राक्षस |
| अन्त्य | नाड़ी | अन्त्य |
| गरूड़ | वर्ग | श्वान |

**Acharya Ashok Shukla Vedpathi Shiva Shiv Astrology Research Centre**
Brahmavidyapeeth Shukatirtha
9897180017
ashok.shukla.mzn@gmail.com

# ग्रह अंश एवं विंशोत्तरी

| विंशोत्तरी | | अंश | राशि | ग्रह | राशि | अंश | विंशोत्तरी | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| सूर्य 4वर्ष 5मा 5दि | | 24:48:06 | मीन | लग्न | तुला | 01:02:06 | बुध 12वर्ष 3मा 3दि | |
| राहु | | 24:55:53 | मिथु | सूर्य | तुला | 14:15:03 | शुक्र | |
| 15/12/2017 | | 00:09:10 | वृष | चंद्र | कर्क | 20:23:03 | 03/02/2019 | |
| 16/12/2035 | | 25:57:20 | वृष | मंगल | धनु | 17:04:01 | 03/02/2039 | |
| राहु | 27/08/2020 | 24:11:14 | मिथु | बुध | वृश्चि | 06:47:04 | शुक्र | 05/06/2022 |
| गुरु | 21/01/2023 | 18:09:09 | धनु व | गुरु व | मेष | 04:58:27 | सूर्य | 05/06/2023 |
| शनि | 27/11/2025 | 19:16:52 | वृष | शुक्र | सिंह | 27:45:50 | चन्द्र | 03/02/2025 |
| बुध | 15/06/2028 | 13:32:06 | मीन | शनि व | मेष | 20:18:00 | मंगल | 05/04/2026 |
| केतु | 04/07/2029 | 18:25:51 | कन्या व | राहु व | कर्क | 14:41:28 | राहु | 05/04/2029 |
| शुक्र | 04/07/2032 | 18:25:51 | मीन व | केतु व | मक | 14:41:28 | गुरु | 05/12/2031 |
| सूर्य | 28/05/2033 | 09:22:11 | मक व | हर्ष | मक | 19:02:40 | शनि | 03/02/2035 |
| चन्द्र | 27/11/2034 | 02:46:14 | मक व | नेप | मक | 07:49:37 | बुध | 04/12/2037 |
| मंगल | 16/12/2035 | 06:46:33 | वृश्चि व | प्लूटो | वृश्चि | 15:17:32 | केतु | 03/02/2039 |

व - वकी  स - स्थिर
अ - अस्त  पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

**23:48:35  चित्रपक्षीय अयनांश  23:51:02**

## लग्न-चलित

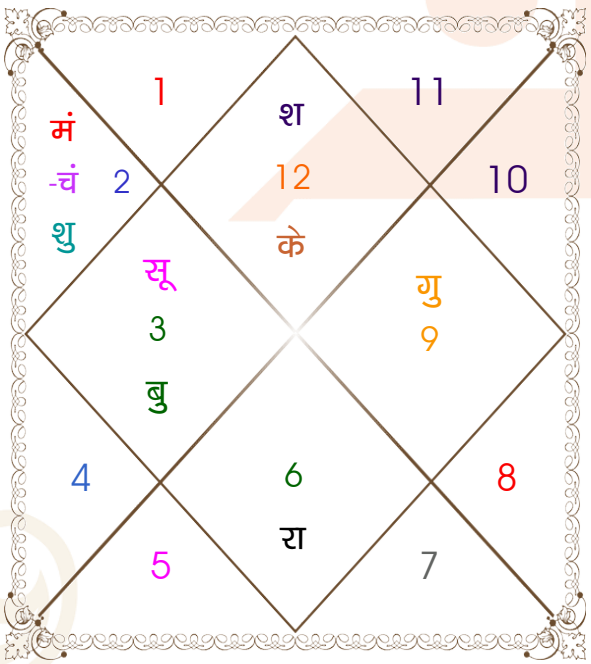


## लग्न-चलित

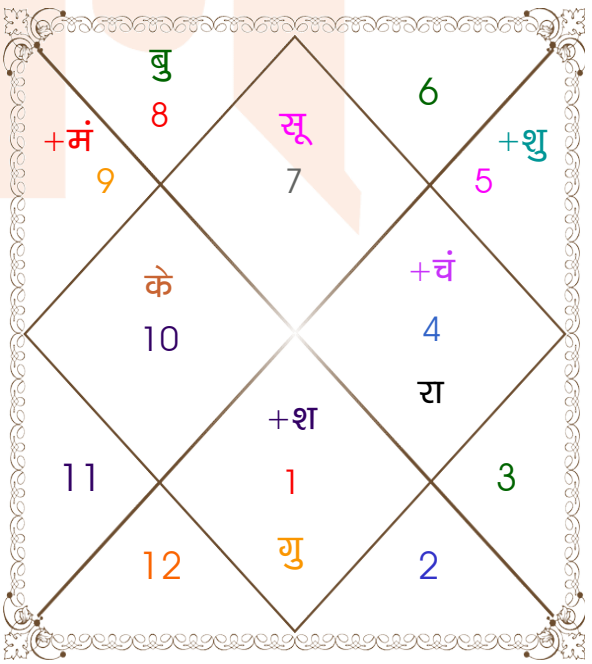



Acharya Ashok Shukla Vedpathi  Shiva Shiv Astrology Research Centre
Brahmavidyapeeth Shukatirtha
9897180017
ashok.shukla.mzn@gmail.com

## अष्टकूट गुण सारिणी

| कूट | वर | कन्या | अंक | प्राप्त | दोष | क्षेत्र |
|---|---|---|---|---|---|---|
| वर्ण | वैश्य | विप्र | 1 | 0.00 | -- | जातीय कर्म |
| वश्य | चतुष्पाद | जलचर | 2 | 1.00 | -- | स्वभाव |
| तारा | क्षेम | वध | 3 | 1.50 | -- | भाग्य |
| योनि | मेष | मार्जार | 4 | 3.00 | -- | यौन विचार |
| मैत्री | शुक्र | चन्द्र | 5 | 0.50 | -- | आपसी सम्बन्ध |
| गण | राक्षस | राक्षस | 6 | 6.00 | -- | सामाजिकता |
| भकूट | वृष | कर्क | 7 | 7.00 | -- | जीवन शैली |
| नाड़ी | अन्त्य | अन्त्य | 8 | 0.00 | हाँ | स्वास्थ्य/संतान |
| कुल : | | | 36 | 19.00 | | |

कुल : 19 / 36

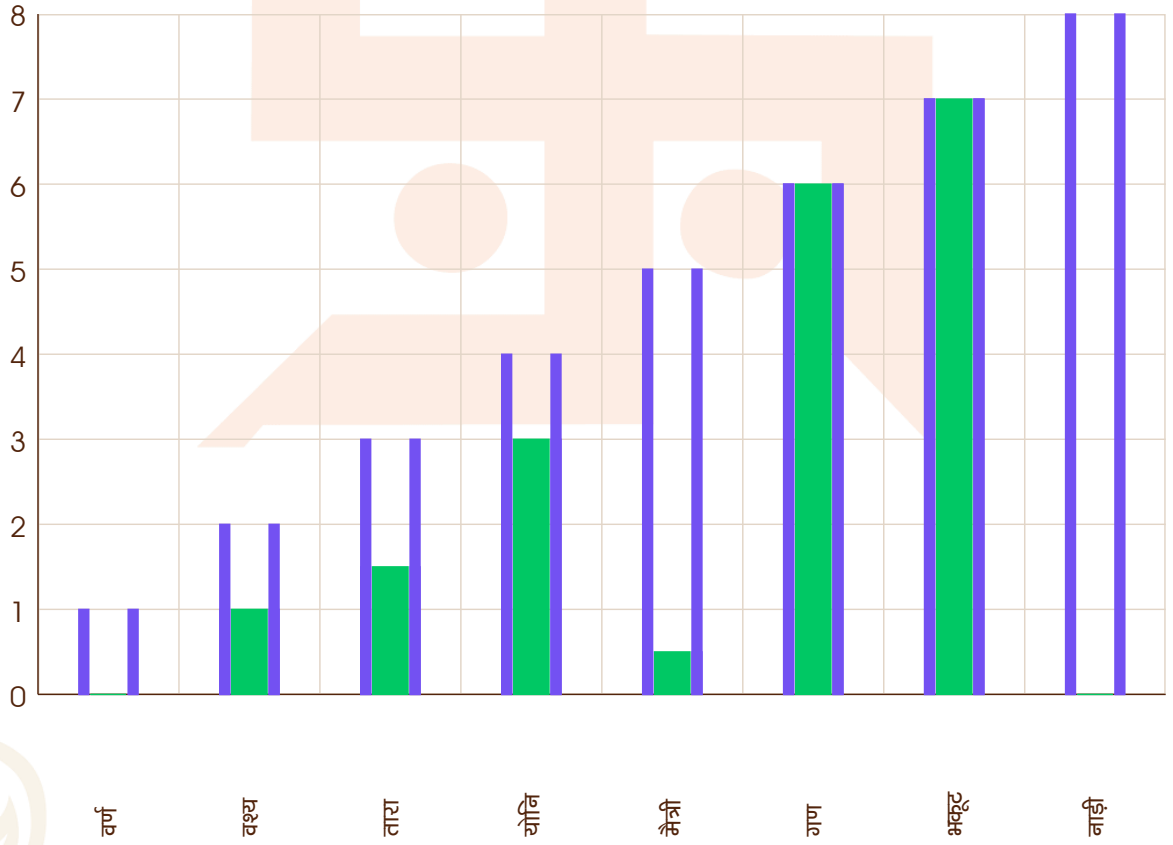


Acharya Ashok Shukla Vedpathi Shiva Shiv Astrology Research Centre
Brahmavidyapeeth Shukatirtha
9897180017
ashok.shukla.mzn@gmail.com

# अष्टकूट मिलान

नाड़ी दोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के नक्षत्र एवं राशियां भिन्न-2 है।

दीन चंदकमल का वर्ग गरूड़ है तथा Sobhit का वर्ग श्वान है। इन दोनों वर्गों में परस्पर मित्रता है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार दीन चंदकमल और Sobhit का मिलान औसत है।

## मंगलीक दोष मिलान

दीन चंदकमल मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है।

Sobhit मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में तृतीय भाव में स्थित है।

दीन चंदकमल तथा Sobhit में मंगलीक मिलान ठीक है।

## निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।

# अष्टकूट फलादेश

## वर्ण

।दीन चंदकमल का वर्ण वैश्य है तथा Sobhit का वर्ण ब्राह्मण है। क्योंकि Sobhit का वर्ण ।दीन चंदकमल के वर्ण से ऊँचा है जिसके कारण यह अच्छा मिलान नहीं है। Sobhit अति अहंकारी, शाहखर्च एवं दिखावा करने वाली होगी। Sobhit को हमेशा यह महसूस होता रहेगा कि उसका पति निम्न दर्जे का है तथा बहुत कम कमाता है। इस कारण से उसमें निराशा की भावना घर कर कर सकती है।

## वश्य

।दीन चंदकमल का वश्य चतुष्पद अर्थात पशु है एवं Sobhit का वश्य जलचर है अतः यह मिलान औसत मिलान होगा। पशु एवं जलचर दोनों का साथ-साथ प्रकृति में सह अस्तित्व होता है। इसलिये दोनों के स्वभाव, गुण, व्यवहार एवं पसंद/नापसंद अलग-अलग होंगे। जिसके फलस्वरूप दोनों शायद ही कभी एक-दूसरे को नुकसान पहुंचायेंगे। ।दीन चंदकमल एवं Sobhit दोनों अपने-अपने अलग कर्त्तव्य एवं उत्तरदायित्व निभाते रहेंगे। इस मिलान में ।दीन चंदकमल एवं Sobhit दोनों एक-साथ प्रेमपूर्वक अपने कर्त्तव्य एवं उत्तरदायित्व का निर्वहन करते रहेंगे।

## तारा

।दीन चंदकमल की तारा क्षेम तथा Sobhit की तारा वध है। Sobhit की तारा वध होने के कारण यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। ऐसे में यह विवाह ।दीन चंदकमल एवं Sobhit दोनों के लिए दुर्भाग्य के द्वार खोल सकता है। Sobhit अपने पति एवं उसके परिवार के लिए दुर्भाग्यशाली साबित हो सकती है। अतः संभव है कि घर में निरंतर दुःखदायी घटनाओं का क्रम चलता रहे। जिससे घर में दुःख एवं पीड़ा के वातावरण का निर्माण हो सकता है। ऐसी स्थिति में बच्चे भी काफी कष्ट भुगत सकते हैं तथा सफलता प्राप्ति के लिए उन्हें कड़ी मेहनत करनी पड़ सकती है।

## योनि

।दीन चंदकमल की योनि मेष है तथा Sobhit की योनि मार्जार है। अर्थात दोनों की योनि समान नहीं है। परन्तु इन दोनों योनि के बीच मित्रता का संबंध है अतः यह मिलान उत्तम मिलान रहेगा। जिसके कारण दोनों के बीच परस्पर प्रेम का भाव रहेगा। वैवाहिक एवं पारिवारिक जीवन में सौहार्द्रपूर्ण वातावरण रहेगा। दोनों एक दूसरे को सहयोग करेंगे। आपसी समझ एवं विश्वास की भावना रहेगी। जिससे अपने पारिवारिक व वैवाहिक जीवन में सभी कार्य आपसी सहमति से करेंगे एवं उनमें सफलता भी प्राप्त करेंगे। जीवन में अक्सर धन प्राप्ति के सुअवसर मिलते रहेंगे। आय के नये-नये स्रोत बनेंगे तथा अच्छी आय के साथ-साथ अच्छी जमापूंजी होगी तथा परिवार में सुख समृद्धि बढ़ेगी। परस्पर प्रेम एवं सौहार्द्र की भावना के कारण दोनों एकदूसरे के प्रति अपनापन महसूस करेंगे। परिवार में शांति का वातावरण बना

रहेगा। साथ ही सभी मनोकामनाओं की पूर्ति होती रहेगी। वर और कन्या का स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। इन दोनों से उत्पन्न संतानें योग्य होंगी तथा वे भी अपने जीवन में सफलता प्राप्त करेंगे। इनके जीवन में सफलता इनके कदम चूमेगी। इस प्रकार इनका वैवाहिक जीवन सुखमय जीवन ही रहेगा।

## मैत्री

अष्टकूट मिलान में ग्रह मैत्री कूट में ।दीन चंदकमल का राशि स्वामी Sobhit के राशि स्वामी से शत्रु का संबंध रखता है। जबकि Sobhit का राशि स्वामी ।दीन चंदकमल के राशि स्वामी के साथ सम रहता है। अतः यह मिलान ग्रह मैत्री के विचार से खराब मिलान है। ज्योतिष की दृष्टि से यदि एक साथी का राशि स्वामी दूसरे के लिए शत्रु किंतु दूसरा उसे सम मानता हो तो ऐसा कुंडली मिलान अच्छा नहीं माना जाता है। दोनों के बीच अक्सर लड़ाई-झगड़ा, तनाव, मतभेद, एवं बहसबाजी का भाव बना रह सकता है। ऐसा भी हो सकता है कि यह बहस कभी-कभी हिंसक रूप धारण कर ले। जिससे शारीरिक चोट एवं मुकदमेबाजी के कारण आर्थिक हानि हो सकती है।

## गण

।दीन चंदकमल का गण राक्षस है तथा Sobhit का गण भी राक्षस है। अर्थात Sobhit का गण ।दीन चंदकमल के गण के समान है। अतः यह मिलान अति उत्तम मिलान रहेगा। जिसके कारण ।दीन चंदकमल एवं Sobhit दोनों के स्वभाव, विचार तथा पसंद-नापसंद एक जैसे होंगे। यद्यपि कि दोनों के स्वभाव क्रूर, निष्ठुर एवं असंवेदनशील होंगे किंतु फिर भी एक-दूसरे के लिए ये अति अनुकूल एवं आदर्श साबित होंगे।

## भकूट

।दीन चंदकमल से Sobhit की राशि तृतीय भाव में स्थित है तथा Sobhit से ।दीन चंदकमल की राशि एकादश भाव में स्थित है जिसके कारण यह मिलान अति उत्तम मिलान है। जिसके कारण ।दीन चंदकमल अति महत्वाकांक्षी, परिश्रमी, बुद्धिमान तथा अच्छा कमाने वाले होंगे। दूसरी ओर Sobhit सद्गुणी, परिश्रमी, सहयोगी एवं दयालु होंगी तथा अपने पति की हर क्षेत्र में हर संभव सहायता करेंगी। दोनों के बीच मधुर तालमेल, एक-दूसरे की अच्छी समझ होगी। ऐसा प्रतीत होता है कि जैसे दोनों एक-दूसरे के लिए ही बने हों।

## नाड़ी

।दीन चंदकमल की नाड़ी अन्त्य है तथा Sobhit की नाड़ी भी अन्त्य है। अर्थात दोनों की नाड़ी समान है, जो कि अष्टकूट मिलान की दृष्टि से दोषपूर्ण है। अर्थात यह मिलान अच्छा मिलान नहीं है। ।दीन चंदकमल एवं Sobhit की एक ही नाड़ी अन्त्य होने के कारण शरीर में श्लेष्मा की अत्यधिक वृद्धि होने की संभावना है। जोकि भावी दम्पत्ति के लिए खतरे की सूचक हैं। जिसके प्रभाववश संतान की मृत्यु भी संभव है। आपको श्वांस की तकलीफ, दमा जैसी बीमारियां तथा कमजोर स्वास्थ्य का सामना करना पड़ सकता है। आपकी संतान

मानसिक रोग, सुस्त विकास एवं निम्न बौद्धिक स्तर की शिकार हो सकती हैं।

# मेलापक फलित

## स्वभाव

।दीन चंदकमल की जन्म राशि भूमितत्व युक्त वृष राशि है तथा Sobhit की जलतत्व युक्त कर्क राशि है। जलतत्व एवं पृथ्वी तत्व में नैसर्गिक समानता होती है। अतः ।दीन चंदकमल और Sobhit के स्वभाव एवं प्रवृतियों में समानता होगी फलतः उनका दाम्पत्य जीवन सुख शांति एवं समृद्धि से युक्त रहेगा।

।दीन चंदकमल और Sobhit के राशि स्वामी परस्पर शत्रु एवं सम है। सुखी दाम्पत्य जीवन के लिए यह स्थिति विशेष अनुकूल नहीं है। अतः भावनात्मक स्तर पर इन दोनों में विषमता का भाव रहेगा। Sobhit का स्वभाव स्वतंत्र प्रवृति का रहेगा तथा स्वेच्छा अनुसार वे कार्य करना पसंद करेंगी परन्तु ।दीन चंदकमल की प्रवृति इसके विपरीत रहेगी। इस प्रकार परस्पर मतभेदों के कारण विशेष खुशी की प्राप्ति अल्प ही होगी।

।दीन चंदकमल और Sobhit की राशियां परस्पर तृतीय एवं एकादश भाव में पड़ती है। यह शुभ भकूट है। अतः इसके शुभ प्रभाव से उपरोक्त विषमताओं में न्यूनता आएगी तथा आपस में प्रेम एवं स्नेह के भाव से रहकर सांसारिक सुखो का उपभोग करेंगे। साथ ही इच्छित मात्रा में धनार्जन भी होगा एवं पारिवारिक सुविधाओं पर भी व्यय करेंगे।

।दीन चंदकमल का वश्य चतुष्पद एवं Sobhit का वश्य जलचर है। नैसर्गिक रूप से चतुष्पद एवं जलचर की समानता रहती है। अतः इसके प्रभाव से इनका दाम्पत्य जीवन सुखी रहेगा तथा शारीरिक मानसिक एवं भावनात्मक स्तर पर समानता के कारण परस्पर सन्तुष्टि एवं प्रसन्नता बनी रहेगी। वे एक दूसरे की काम भावनाओं को शान्त करने में भी समर्थ रहेंगे।

।दीन चंदकमल का वर्ण वैश्य है इसके प्रभाव से वह व्यापारिक दृष्टि से कार्य कलाप एवं धनार्जन करेंगे परन्तु Sobhit का ब्राहमण वर्ण होने के कारण शैक्षणिक तथा धार्मिक क्षेत्रों में रूचि रहेगी तथा सत्कार्यो को करने में सर्वदा तत्पर रहेंगी।

## धन

।दीन चंदकमल और Sobhit की तारा एक दूसरे के लिए सम रहेगी। अतः आर्थिक स्थिति पर इसका कोई विशेष प्रभाव नहीं होगा तथा सामान्य रूप से धन एवं लाभ अर्जित करने में दोनों समर्थ होंगे। ।दीन चंदकमल और Sobhit की राशि तृतीय एवं एकादश भाव में पड़ती है। यह शुभ भकूट माना जाता है। इसके प्रभाव से उनकी आय में नित्य वृद्धि होगी जिससे अर्थिक सुदृढ़ता बनी रहेगी। साथ ही मंगल का प्रभाव भी सम रहेगा। अतः धनार्जन होता रहेगा।

Sobhit एक सौभाग्यशाली महिला होंगी अतः उन्हें अचानक धन प्राप्ति की पूर्ण संभावना होगी। यह लाटरी या सट्टे या किसी अन्य माध्यम से हो सकता है। साथ ही पैतृक सम्पति या जायदाद भी उनको मिलेगी जिससे दम्पति धन एवं ऐश्वर्य से युक्त रहकर अपना

जीवन व्यतीत करेंगे।

## स्वास्थ्य

।दीन चंदकमल तथा Sobhit दोनों की ही अन्त्य नाड़ी है। अतः दोनों नाड़ी दोष से पीड़ित रहेंगे इसके प्रभाव से इनका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा तथा समय समय पर शारीरिक अस्वस्थता के कारण सांसारिक महत्व के कार्यो को करने में परेशानी की अनुभूति होगी। इससे Sobhit को गले से संबधित कोई परेशानी हो सकती है तथा कफ या वात संबंधी कष्ट का भी सामना करना पड़ेगा। लेकिन मंगल का इन पर कोई विशेष दुष्प्रभाव नहीं रहेगा। अतः रोग की गंभीरता से बचाव रहेगा लेकिन समय समय पर न्यूनाधिक कष्ट की इन्हें अनुभूति होती रहेगी। इसके अतिरिक्त Sobhit को यदा कदा यौन संबंी गुप्त रोगों का भी सामना करना पड़ सकता है। अतः सुखी दाम्पत्य जीवन की दृष्टि से यह मिलान अच्छा नहीं रहेगा जिससे इसकी यत्नपूर्वक उपेक्षा करनी चाहिए।

## संतान

संतति प्राप्ति की दृष्टि से ।दीन चंदकमल और Sobhit का मिलान उत्तम रहेगा। इसके प्रभाव से उन्हें उचित समय पर संतति की प्राप्ति होगी तथा इसमें अनावश्यक विलम्ब भी नहीं होगा। साथ ही बच्चों के जन्म में भी सामान्य अंतर रहेगा जिससे उनका पालन पोषण उचित ढंग से करने में आसानी रहेगी। इसके अतिरिक्त ।दीन चंदकमल और Sobhit के पुत्र एवं कन्या संतति की संख्या समान होगी।

प्रसव के विषय में Sobhit के मन में पहले से ही अनावश्यक भय की अनुभूति रहेगी लेकिन Sobhit को इस विषय में किसी भी प्रकार की चिन्ता नहीं करनी चाहिए तथा सामान्य रूप से गर्भावस्था का समय व्यतीत करना चाहिए। प्रसव काल में Sobhit को प्रसूति या अन्य किसी भी प्रकार की चिकित्सा की आवश्यकता नहीं पड़ेगी तथा सुदंर स्वस्थ एवं आकर्षक बच्चों को जन्म देने में सफल होंगी। साथ ही स्वयं भी स्वस्थ एवं प्रसन्नता की अनुभूति करेंगी।

संतति पक्ष से ।दीन चंदकमल और Sobhit सन्तुष्ट तथा प्रसन्न रहेंगे तथा बच्चे अपने क्षेत्र में अपनी बुद्धिमता तथा योग्यता से उन्नतिमार्ग पर अग्रसर होंगे। साथ ही व्यवहार कुशलता का गुण भी उनमें विद्यमान रहेगा। माता पिता के प्रति उनका पूर्ण आदर तथा आज्ञापालन का भाव रहेगा तथा उनकी इच्छा के विरूद्ध वे कोई भी कार्य सम्पन्न नहीं करेंगे। इस प्रकार ।दीन चंदकमल और Sobhit का पारिवारिक जीवन सुख शांति तथा प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा।

## ससुराल-सुश्री

Sobhit के अपने सास से संबध सामान्य ही रहेंगे तथा विशिष्ट मधुरता के भाव की समय समय पर न्यूनता का आभास होगा परन्तु आपसी सामंजस्य से किंचित अनुकूलता इसमें बनाए रखने में दोनों समर्थ रहेंगे। यदा कदा इनके मध्य मतभेद तथा तनाव भी उत्पन्न होगा

परन्तु यह क्षणिक होगा एवं गंभीर नहीं होगा। साथ ही Sobhit सास को अपने माता के समान सेवा तथा सम्मान प्रदान करेंगी।

अपने विनम्र स्वभाव सामंजस्य की प्रवृति तथा सेवा भाव के कारण ससुर की प्रसन्नता एवं सन्तुष्टि अर्जित करने में समर्थ रहेंगी। लेकिन देवर एवं ननदों से संबधों में तनाव रहेगा तथा आपस में आलोचना तथा प्रतिद्वन्दिता का भाव विद्यमान रहेगा परन्तु यदि Sobhit किंचित धैर्य एवं सामंजस्य से कार्य ले तो इनसे संबधों में मधुरता उत्पन्न हो सकती है तथा वे भी Sobhit को यथोचित सम्मान एवं सहयोग प्रदान करेंगे।

इस प्रकार सास ससुर का दृष्टि कोण Sobhit के प्रति सामान्यतया अच्छा रहेगा एवं परिवार के सदस्य के रूप में वे उसे स्वीकार करेंगे ।

## ससुराल-श्री

।दीन चंदकमल के सास से सामान्यतया मधुर संबध रहेंगे तथा उनके प्रति मन में पूर्ण श्रद्धा तथा सेवा की भावना विद्यमान रहेगी। साथ ही सास को अपनी माता के समान आदरणीया समझेंगे। वह सपत्नीक अवसरनुकूल ससुराल में उनसे मिलने भी जाया करेंगे तथा अपने मन में कभी श्रेष्ठता की भावना नहीं लाएंगे जिससे संबध अनुकूल रहेंगे।

ससुर के साथ में ।दीन चंदकमल के संबध विशेष अनुकूल नहीं रहेंगे तथा आयु में काफी अंतर होने के कारण उनके आपस में मतभेद होंगे लेकिन यदि दोनों परस्पर सामंजस्य की प्रवृति एवं बुद्धिमता से व्यवहार करें तो संबधों में मधुरता का भाव आ सकता है। साथ ही साले एवं सालियों से भी संबधों में अनुकूलता रहेगी तथा एक दूसरे के प्रति पूर्ण सम्मान स्नेह तथा सहयोग का भाव रहेगा तथा मित्रता की भी भावना रहेगी जिससे एक दूसरे को समझने में सफल रहेंगे।

इस प्रकार ससुराल का दृष्टिकोण ।दीन चंदकमल के प्रति सकारात्मक रहेगा तथा ।दीन चंदकमल भी मधुर संबधों को बनाने में नित्य यत्नशील रहेंगे।